एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

# कृषि शिक्षा में पुस्तकालय का महत्व

(*अनिता कुमारी मीना)
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा
*संवादी लेखक का ईमेल पता: akmclm1994@gmail.com

पुस्तकालय एक ऐसा स्थान है जहां ज्ञान का अद्भुत भंडार होता है और विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी जानकारी प्रदान की जाती है। कृषि, हमारे देश की आर्थिक विकास का मूल आधार है, कृषि शिक्षा में पुस्तकालयों का अत्यंत महत्व है। कृषि से जुड़े ज्ञान की वृद्धि के लिए पुस्तकालयों का सही समर्थन आवश्यक है, और इसमें कई पहलुओं का समावेश होता है। पुस्तकालय विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को गहराई से ज्ञानार्जन करने का एक माध्यम प्रदान करता है। पुस्तकालय कृषि विश्वविद्यालय और इसके संघटक महाविद्यालयों में छात्रों के साथ-साथ वैज्ञानिकों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय स्वचालन और संसाधनों के डिजिटलीकरण के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के समर्थन ने कृषि विश्वविद्यालयों में पुस्तकालयों को समृद्ध और मजबूत किया है। इसके साथ ही मौजूदा संग्रह में नए शीर्षक जोड़ना, पुस्तक बैंकों, पुस्तकालय सुविधाओं आदि को मजबूत किया है । कृषि और संबद्ध विषयों में नवीनतम साहित्य को शामिल करने से शैक्षणिक कार्यक्रम को मजबूत करने में मदद मिली । ई-संसाधनों के उपयोग, डिजिटलीकरण और साहित्य तक ऑनलाइन पहुंच के माध्यम से शैक्षणिक वातावरण और शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाया गया है, जिससे मुख्य परिसर के साथ-साथ परिसर के कॉलेजों में सीखने के संसाधनों की समानता और उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

**पुस्तकालय का महत्व**

1. **विशेषज्ञता विकसित करना:** पुस्तकालय विशेषज्ञता और नवीनता के क्षेत्र में विद्यार्थियों को समर्थन प्रदान करने का कारगर माध्यम है। कृषि शिक्षा में, पुस्तकालय विभिन्न क्षेत्रों में नवीनता की जानकारी प्रदान करके छात्रों को एक पूर्णता की दिशा में मार्गदर्शन करता है।
2. **समृद्धि का स्रोत**: पुस्तकालय समृद्धि के स्रोत के रूप में कार्य करता है। कृषि क्षेत्र में नए तकनीकी उत्पाद, बुनियादी सिद्धांत, और उनके अनुसंधानों की जानकारी पुस्तकालय में उपलब्ध होती है, जो छात्रों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है।
3. **सामग्री सुलभता**: पुस्तकालय एक स्थान पर सारी आवश्यक सामग्री को सुलभ बनाए रखता है, जिससे छात्र और शोधकर्ता अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उपयोग कर सकते हैं। इससे उन्हें समय और श्रम की बचत होती है, और वे अपने अध्ययन को और भी प्रभावी बना सकते हैं।
4. **अनुसंधान का स्थान**: कृषि शिक्षा में, अनुसंधान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पुस्तकालय इसमें सहायक होता है। छात्रों को विभिन्न विषयों पर अनुसंधान करने का मौका मिलता है, जिससे उनका ज्ञान विस्तार होता है और वे समृद्धि की दिशा में अध्ययन कर सकते हैं।

5. **किसानों की प्रशिक्षण:** डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से किसानों को ऑनलाइन प्रशिक्षण और सेमिनारों की सुविधा होती है। इससे किसान नए और सुरक्षित तकनीकों का सीधे सिख सकते हैं जो उनके उत्पादकता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।
6. **फसल सुरक्षा:** डिजिटल पुस्तकालय से किसान अपनी फसलों को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न रोग, कीट प्रबंधन और फसल सुरक्षा के उपायों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
7. **बाजार जानकारी:** डिजिटल पुस्तकालय से किसान बाजार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जो उन्हें बेहतर मूल्य मिलने में मदद कर सकती है। उन्हें विभिन्न बाजारों की ताजगी और मांग की पूर्वानुमान की जानकारी होती है जो उन्हें बेहतर निर्णय लेने में सहायक हो सकती है।
8. **नेतृत्व सुधार**: पुस्तकालय छात्रों को नेतृत्व कौशल में सुधार करने का भी माध्यम है। यहां, वे अध्ययन के माध्यम से नए और उच्च स्तर के ज्ञान का समर्थन प्राप्त करते हैं जो उन्हें कृषि सेक्टर में अग्रणी बनने की क्षमता प्रदान करता है।

इस प्रकार, कृषि शिक्षा में पुस्तकालय का महत्वपूर्ण स्थान है। यह छात्रों को विशेषज्ञता और नवीनता की दिशा में मार्गदर्शन करता है और उन्हें अनुसंधान करने के लिए एक शानदार स्थान प्रदान करता है। पुस्तकालय का उपयोग करके, कृषि शिक्षा में आने वाले बदलावों का सही समर्थन किया जा सकता है और इससे समृद्धि की दिशा में एक नया क्षेत्र खोला जा सकता है।